



५२
१८६१४

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 251]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 12, 1989/वैसाख 22, 1911

No. 251]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 12, 1989/VAISAKHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाते हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(प्राधिकार कार्य विभाग)

प्रधिकारी

नई दिल्ली, 12 मई, 1989

(धीमा)

भारतीय जीवन धीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1989

गा. का. नि. 515 (ग्र) —ऐस्ट्रीय मरकार, जीवन धीमा नियम प्रतिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करने हुए भारतीय जीवन धीमा वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और मानोड़न वरने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

१. मन्त्रीनाम और ग्राम—(1) इन नियमों का प्रसंस्कृत भाषा भारतीय जीवन धीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) इसके प्राचारन यथा उपब्रित के मित्राय, इन नियमों के उपरांत दो 1 अगस्त 1987 से लागू गमता जाएगा।

इ २ भारतीय जीवन धीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिन्हे इसके

पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् —

"(ग) "प्रोफेशन विनियम" से भारतीय जीवन धीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (प्रोफेशन) नियम, 1987 अधिप्रेत है।

३ उक्त नियमों के नियम 3 में "इन नियमों के नियम 4 से 19 तक" शब्दों और श्रंकों के स्थान पर "समय-समय पर यथासंशोधित इन नियमों के" शब्द रखे जाएंगे।

४ उक्त नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

"४. वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान —

(1) वर्ग ३C के कर्मचारियों के वेतनमान निम्नलिखित होंगे —

प्रधीकार 1910-110-2020-120-3700 रु.

उच्चतम श्रेणी महायक 1470-80-1710-100-1910-110-2020-
द.रो -120-3460 रु.

अनुभाग प्रध्यक्ष 1270-80-1910-110-2020-120-
3220 रु.

आणुलिपि 1240-70-1450-80-1430-100-2130-
120-2440-द. रो.-120-3090 रु

महायक, गहीना और 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-

संशोधकर्ता, रोकड़िया,	1930-100-2100-र.	रु.-120-
टक्क, टेलिफोन ग्रामपंच,	2950 रु.	
फल्टोमीटर ग्रामपंच प्रा-		
जेपेनकर्ता, माइक्रोग्रामेसर		
ग्रामपंच		
अभियोग निधि:	930-30-490-10-1150-50-1400- द	
	रु.-60-2000 रु.	

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट बेतनमानों के अनिवार्य निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भूता प्राप्त करेंगे—

1 उच्चतर श्रेणी सहायक जो आन्तरिक लेनदेन परीक्षा सहायकों के स्वरूप में नियुक्त किए गए हैं।

(क) प्रथम पाँच वर्षों के लिए	180 रु. प्रतिमास
(ख) आगामी पाँच वर्षों के लिए	200 रु. प्रतिमास
(ग) पाँचवांशवर्ती वर्षों के लिए	225 रु. प्रतिमास
2 ग्राम्या और संशोधकर्ता, रोकड़िया के	175 रु. प्रतिमास

स्वरूप में नियुक्त ग्राम्यक

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भूतों को मूल बेतन का भाग ग्राम्या जाएगा।

परंतु विशेष भूतों के 60 प्रतिशत का भर्तव्य निधि, उपचान, मकान कियाना भूता और ग्रोब्रनि पर बेतन के पुनर्नियन्त्रण करने के लिए गणना में लिया जाएगा।

(4) वर्ग 3 के कर्मचारियों के निम्नलिखित प्रवर्गों को निम्नानुसार कार्यालयिक भूता दिया जाएगा—

(क) अभियोग निधि के बेतनमान में, बांडा, 30 रु. प्रतिमास
बूलीकेटिंग और जैरोक्स मशीन संचालक
(ख) सहायकों के बेतनमान में माइक्रोग्रामेसर 100 रु. प्रतिमास
ग्राम्यकर्ता
(ग) उच्चतर श्रेणी सहायकों के बेतनमान में 150 रु. प्रतिमास

परंतु विचारान वर्ग 3 कर्मचारी, जो हन नियमों के प्रारम्भ के थीक पूर्व में कार्यालयिक भूता प्राप्त कर रहा है वैसे ही कार्यालयिक भूता तब तक लेता रहेगा जब तक कि वह अपने हाता घासित ऐसे पर पर बना रहता है जिसमें कार्यालयिक भूता जुटा हुआ है, किन्तु इसे भविष्य में मशीही के पुनरीक्षण में अमंतित कर दिया जाएगा।

5. उक्त नियमों में, नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"6 वर्ग 4 के अधीनस्थ कर्मचारियों के बेतनमान—

(1) वर्ग 1 के अधीनस्थ कर्मचारियों के बेतनमान इस प्रकार होंगे—
द्राहकर 930-10-1210-50-1410 रु.
मिपार्टी, हम्माल, प्रधान 815-25-910-35-1260-40-1460-50-
चौपरामी, लिफ्टमैन लेन 1510 रु.
चौकीदार
झाड़ुकर और सफाई वाला 795-25-910-25-1335-40-1455 रु.

(1) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट बेतनमानों के अनिवार्य निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भूता प्राप्त करेंगे जिसे गमी प्रयोगनां के लिए मूल बेतन के स्वरूप में गिना जाएगा—
प्रधान चौपरामी, लिफ्टमैन 70 रु. प्रतिमास
और चौकीदार

(3) नियमों के स्तर ग्राम्य स्तर पर 45 रु. प्रतिमास भूता दिया जाएगा।

6. उक्त नियमों के नियम 7 में—

(क) स्थग (क) में उपर्युक्त (i) के स्थान पर निम्नलिखित उपचान रखा जाएगा, अर्थात्—

"(i) वर्ग 3 में अभियोग निधि, ग्राम्यकर्ता आणुलिपि के बेतनमान में, या"

(घ) अड (घ) में "अभियोग निधि" शब्द नहीं लोप किया जाएगा।

7. उक्त नियमों के नियम 8 में

(क) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(1) वर्ग 3 और वर्ग 1 के कर्मचारियों के महगाई भूतों का आपसान निम्नलिखित रूप में अवश्यालिक किया जाएगा—

मूलकांक औद्योगिक कर्मचारियों का प्रतिक्रिया भारतीय ग्राम्यता मूल्य मूलकांक

आधार 1960-100 की अवश्या में मूलकांक में 600

दर वर्ग 3 के कर्मचारी

अधिक भारतीय उपभोक्ता मूल्य मूलकांक के 600 आडेंटो के ऊपर लैमासिक ग्राम्यता में प्रथेक 4 आडेंटो के लिए वर्ग 3 कर्मचारी को महगाई भूता निम्नलिखित दरों पर दिया जाएगा—

मूल बेतन प्रथेक 4 आडेंटो के लिए महगाई भूतों की दर

(i) 1650 रु. तक मूल बेतन का 0.67 प्रतिशत

(ii) 1651 रु. से 2850 रु. तक 1650 रु. का 0.67 प्रतिशत धन 1650 रु. से अधिक मूल बेतन का 0.55 प्रतिशत

(iii) 2851 रु. और उससे अधिक 1650 रु. का 0.67 प्रतिशत धन 2450 रु. और 1650 रु. के बीच अन्य, धन 2450 रु. से अधिक मूल बेतन का 0.33 प्रतिशत

वर्ग 1 के कर्मचारी

अधिक भारतीय उपभोक्ता मूल्य मूलकांक के 600 आडेंटो के लैमासिक ग्राम्यता में प्रथेक 4 आडेंटो के लिए मूल बेतन और विशेष भूतों का, यदि कोई इन 0.67 प्रतिशत

(घ) उपनियम (2) में "332 आडेंटो के ऊपर-332-336-310-344 के अम में" अंकों और शब्दों के स्थान पर "600-604-608-612 के अम में" 600 आडेंटो अक और शब्द रखें जाएंगे।

(ग) उपनियम (1) का लाप दिया जाएगा।

8. उक्त नियमों के नियम 9 में, उपनियम (1) में 'दो सौ रु' शब्दों के स्थान पर "तीन सौ रु" शब्द रखें जाएंगे।

९ उक्त नियमों के नियम १० में, उपनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् --

"(१) वर्ग ३ और वर्ग ४ के कर्मचारी का संदेश नगर प्रतिकारात्मक भवे का मापमान निम्नानुसार होगा --

V बैतानी का स्थान

दर

(क) (१) वे नगर जिनकी आवादी

मूल बैतान का ७ प्रतिशत किल्ट १५० रु.

प्रतिमास से अधिक नहीं

१२ लाख से अधिक है, फरीदाबाद गजियाबाद, नौणा, पट्टी प्रांग भारूपगढ़, १ अगस्त १९८७ से

(ii) मारमोगांव और पर्जी से भिन्न गोड़ा राज्य के किसी नगर में, १५ मई, १९८८ से

(iii) गुदशाही, वारों और गार्डनगढ़ में १२ मई, १९८५ से

(व) (१) वे नगर जिनकी आवादी ५ लाख और उपरी अधिक है किल्ट १२ लाख से अधिक नहीं है, राज्यों की गजाधानिया जिनकी आवादी १२ लाख से अधिक नहीं है, खड़ीगढ़, मोहानी, पांडीचेरी भार पार्ट ब्लैकर, १ अगस्त १९८७ से

(ii) पचकुता नगर में, १२ मई, १९८९ से

मूल बैतान का ४ प्रतिशत किल्ट वर्ग ४ के कर्मचारियों के लिए कम से कम ३० रु. प्रतिमास और वर्ग ३ के कर्मचारियों के लिए कम से कम १५ रु. प्रतिमास और दोनों मामलों में अधिकतम १०० रु.

टिप्पणी १ इस नियम के प्रयोगनों के लिए आवादी के आंकड़े देखें जो १९८१ की जनगणना में दिए गए हैं।

२ नगरों के अन्तर्गत उतनी वर्षियाँ भी हैं।

१० उक्त नियमों के नियम ११ के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् --

"पर्वतीय स्थान भवा वर्ग ३ और वर्ग ४ को देश पर्वतीय स्थान भवे का मापमान निम्नानुसार होगा --

(i) समुद्र तल से १,५०० मीटर और उससे अधिक ऊँचाई पर अवस्थित मूल बैतान के ७ प्रतिशत की दर पर किल्ट १५० रु. प्रतिमास से अधिक नहीं

(ii) समुद्र तल से १,००० मीटर और उससे ऊँचाई पर अवस्थित मूल बैतान के ५ प्रतिशत की दर पर किल्ट १२५ रु. प्रतिमास से अधिक नहीं"

/ पर पदास्थ मरकारा और ऐसे स्थानों पर पदास्थ जिन्हें केन्द्रीय मरकारा, राज्य मरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए "पर्वतीय स्थान" घोषित किया गया है।

११ उक्त नियमों के नियम १२ का नोंप किया जाएगा।

१२ उक्त नियमों के नियम १३ के उपनियम (१) में १ अप्रैल १९८९ से "४५ प्रतिशत" अको और शब्द के स्थान पर "१० प्रतिशत" अंक और शब्द रखे जाएंगे।

१३ उक्त नियमों के नियम १० में उपनियम (५) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् --

'(५) उपनियम (१) और (५) में अंतर्विट किसी बात के द्वारा हूँ भी

(i) जहाँ किसी कर्मचारी पर प्रबन्धन या अन्य कर्मचारियों के लिए लिया में अन्तर्विट किसी कार्य के लिए या नियोजन के स्थान में या उसके निकट किसी बलवाई या विचाराल व्यवहार के लिए या किसी ऐसे अपराध के लिए, जिसमें नैतिक अवस्था अंतर्विट हो, परन्तु तब जब ऐसा अवरोध उसने अपने नियोजन के प्रत्यक्षमें किया हो, पदचयन की शास्ति अधिग्रेशिया भी जानी है, वहाँ उसे देश अन्तरात पूर्णत यमपत्र हो जाए, और

(ii) जहाँ अविवायं सेवानिवृत्ति, सेवा में हटाए जाने या पदचयन की शास्ति किसी कर्मचारी पर उसके ऐसे कार्य के लिए जिसमें नियम को विनाय द्वारा नहीं पढ़े, अधिग्रेशिया भी जाए, यहाँ उसको देश उपद्रव में उसनी राशि यमपत्र होगी जिसी राशि हूँ भी हो।'

१४ उक्त नियमों के नियम १५ के पञ्चात् निम्नलिखित नियम प्रश्नालिपि लिए जाएंगे, अर्थात् --

"१९ के स्थानक भना।

(१) अभिलेख लिपि, महायक या आणुलिपि के बैतानभान में ऐसे कर्मचारी को,--

(क) जो अपनी नियुक्ति के समव स्थानक हो, जब ऐसी नियुक्ति १ अप्रैल, १९८९ के पञ्चात् की गई हो, या

(ख) जो १ अप्रैल १९९५ को या उसके पञ्चात् स्थानक हो जाता है, या

(ग) जो १ अप्रैल, १९९५ से पूर्व स्थानक या किल्ट उसे स्थानक बैतान वृद्धिया नहीं दी गई थी।

१० रु. प्रतिमास की रकम, यदि वह अभिलेख लिपि के बैतानभान में है और १३० रु. प्रतिमास की रकम यदि वह गहाया गया आणुलिपि के बैतानभान में है।

(i) अउ (क) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में नियुक्ति की तारीख में,

(ii) अउ (ख) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में उस मास में अप्ले मास की पहली तारीख में जिसमें परोक्षा का परिणाम धोथित किया जाए,

(iii) अउ (ग) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में १ अप्रैल, १९८९ से दिया जाएगा।

(२) ऐसे किसी कर्मचारी को, जो भहायक या आणुलिपि के बैतानभान में हो, जिसे स्थानक होने के कारण १ अप्रैल, १९८९ से पूर्व में ही बैतान वृद्धिया मिल रही हो, और जिसमें उक्त नियमों के नियम ७ के खड़ (क) में निर्दिष्ट अंतिम बैतान वृद्धिया प्राप्त कर ली हो, ऐसा भना नीचे दी गई दरा पर और नारीयों से दिया जाएगा।

ये नारीय जिसमें भत्ता संबंध है

रकम

(i) (क) १ अप्रैल, १९८९ म; या

(ख) जिस मास में एक वर्षे की सेवा जो उक्त नियमों के नियम ७ के खड़ (क) में निर्दिष्ट अंतिम बैतान वृद्धि की तारीख में प्राप्त शोधी, पूरी की हो उसमें अपने मास की पहली तारीख से, जो भी बाद में हो,

६५ रु. प्रतिमास

(2) (अ) जिस मास में वो वर्ष की सेवा जो उक्त नियमों के नियम 7 के बंद (क) में निविट अंतिम वेतन वृद्धि की तारीख से पारभ होगी, पूरी की हो उससे बगले मास की पहली तारीख में, 130. इ. प्रतिमात्र

(ब) 1 अप्रैल, 1990 से—

जो भी बाद में हो।

(3) स्नातक भने को मूल भने का भाग नहीं माना जाएगा।

परन्तु सहायक या आर्थुरिपिक के वेतनमान में किसी कर्मचारी के उक्त भने का 60 प्रतिशत भविष्य निधि, उपदान, सकान किराया भना और प्रोफेशन पर वेतन पुनर्नियन्त्रण के प्रयोगन के लिए गणना में लिया जाएगा।

19वाँ वैयक्तिक भत्ता : किसी कर्मचारी को दिए जाने वाले वैयक्तिक भने का समायोजन उसके मूल वेतन में वृद्धि या महाराई भत्ते में उच्च-गामी पुनरीक्षण जो कर्मचारी इन नियमों के निर्बन्धनों के प्रनुभार पाने का हकदार है, के विरुद्ध किया जाएगा।

[का.स. 2(6)/बीमा-III/89]

स्पष्टीकारक घासन

केन्द्रीय सरकार ने 1 अगस्त, 1987 से भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों की सेवा के निर्बन्धनों और घानों को पुनरीक्षित करने की मजूरी दी है। नवनुमार नियमों का 1 अगस्त, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाना है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रभिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 357(अ), तारीख 11-4-1985 के अधीन प्रकाशित किए गए थे और बाद में उनका संशोधन अधिसूचना सं. सा. का. नि. 18(अ) तारीख 7-1-1986, सा.का.नि. 1076(अ) तारीख 11-9-1986, सा.का.नि. 961(अ), तारीख 7-12-1987 और सा.का.नि. 870(अ) तथा 873(अ), तारीख 22-8-1988 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th May, 1989

INSURANCE

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVISION OF TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE) AMENDMENT RULES, 1989

G.S.R. 515(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision

of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1989.

(2) Save as otherwise provided hereinafter, the provisions of these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1987.

2. In rule 2 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as the said Rules), for clause (d), the following clause shall be substituted, namely :—

(d) “Promotion Regulations” means the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Promotion) Rules, 1987;—

3. In rule 3 of the said Rules, for the words and figures “rules 4 to 19 of these rules”, “these rules as amended from time to time” shall be substituted.

4. For rule 4 of the said Rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“4. Scales of pay of Clats III employees.—(1) The scale of pay of Class III employees shall be as under :—

Superintendents :	Rs. 1910-110-2020-120-3700.
Higher Grade Assistants :	Rs. 1470-80-1710-100-1910-110-2020-EB-120-3460.
Section Heads :	Rs. 1270-80-1910-110-2020-120-3220.
Stenographers :	Rs. 1240-70-1450-80-1930-100-2130-120-2490-EB-120-3090.
Assistants Receiving and Paying Cashiers, Typists, Telephone Operators, Comptometer Operators, Projectionists, Micro-processor Operators.	Rs. 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-1930-100-2130-EB-120-2850.
Record Clerks :	Rs. 930-30-990-40-1150-50-1400-EB-60-2000.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below :—

1. Higher Grade Assistants appointd as Internal Audit Assistants :

- (a) for the first five years —Rs. 180 per month
- (b) for the next five years —Rs. 200 per month
- (c) for the subsequent years—Rs. 225 per month

2. Assistant appointed as —Rs. 175 per month
Receiving and Paying
Cashiers :

(3) The special allowance referred to in sub-rule (2) shall not be treated as part of basic pay :

Provided that 60 per cent of the special allowance shall count for the purposes of provident fund, gratuity house rent allowance and for re-fixation of salary promotion

(4) Functional allowance to the following categories of class III employees shall be paid as under :—

- (a) Banda, Duplicating and Rs. 30 per month Xerox Machine Operators in the scale of pay of Record Clerks :
- (b) Microprocessor Operators Rs. 100 per month in the scale of pay of Assistants :
- (c) Programmers in the Rs. 150 per month scale of pay of Higher Grade Assistants :

Provided that an existing Class III employee who is in receipt of any functional allowance immediately prior to the commencement of these rules shall continue to draw the same so long as he is holding the post to which the functional allowance is attached, to be absorbed in future wage revision.

5. In the said Rules, for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—

“6. The scales of pay of class IV subordinate employees —

(1) The scales of pay of Class IV subordinate employees shall be as under :—

Drivers :	Rs. 930-40-1210-50-1810
Sepoys, Hamals,	Rs. 815-25-840-35-1260-
Head Peons, Liftmen	40-1460-50-1510.
and Watchmen	
Sweepers and	Rs. 785-25-810-1335-40-
Cleaners	1455.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below, which shall count as basic pay for all purposes :

Head Peons, Liftmen Rs. 70 per month and Watchmen

(3) Franking Machine Operators in the scale of pay of Sepoys shall be paid a functional allowance of Rs. 20 per month.

6. In Rule 7 of the said Rules,—

(a) in clause (a), for sub-clause (i), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

“(i) in the scale of Record Clerk, Assistant or Stenographer in Class III, or”

(b) in clause (b), the words “Record Clerk”, shall be omitted;

7. In rule 8 of the said Rules,—

(a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The scales of dearness allowance of Class III and Class IV employees shall be determined as under :

Index : All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers.

Base : Index No. 600 in the series 1960=100

Rate : Class III employees

For every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 600 points, a Class III employee shall be paid Dearness Allowance at the following rate :—

Basic Salary	Rate of D.A. for every 4 points
(i) Upto Rs. 1650	0.67% of basic salary
(ii) Rs. 1651 to 2850	0.67% of Rs. 1650 plus 0.55 of basic salary in excess of Rs. 1650.
(iii) Rs. 2851 and above.	0.67% of Rs. 1650 plus 0.55% of difference between Rs. 2850 and Rs. 1650, plus 0.33% of basic salary in excess of Rs. 2850.

Class IV employees

0.67 per cent of the basic pay and special allowance, if any, for every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 600 points.

(b) in sub-rule (2), for the figures and words “332 points in the sequence 332-336-340-344”, the figures and words “600 points in the sequence 600-604-608-612” shall be substituted.

(c) sub-rule (4) shall be omitted.

8. In rule 9 of the said Rules, in sub-rule (1), for the words “two hundred rupees”, the words “three hundred rupees” shall be substituted.

9 In rule 10 of the said Rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely —

"(1) The scale of city compensatory allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as under —

Place of Posting	Rate
(a) (i) Cities with population exceeding 12 lacs, Faridabad, Ghaziabad, Noida, Panaji and Marmugao, on and from the 1st day of August, 1987	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(ii) Any city in the State of Goa other than Panaji and Marmugao on and from the 19th day of May, 1988	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(iii) Cities of Gurgaon, Vashi and Gandhinagar on and from the 12th day of May, 1989	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(b) (i) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State Capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh, Mohali, Pondicherry and Port Blair on and from the 1st day of August, 1987	4% of basic pay subject to a minimum of Rs 30 per month for Class IV employees and Rs 45 per month for Class III employees and a maximum of Rs 100 per month in both the cases
(ii) City of Panchkula on and from 12th day of May, 1989	4% of basic pay subject to a minimum of Rs 30 per month for Class IV employees and Rs. 45 per month for Class III employees and a maximum of Rs 100 per month in both the cases

Notes : 1 For the purpose of this rule the population figure shall be those in the 1981 Census Report

2 Cities shall include their urban agglomerations

10 For rule 11 of the said Rules, the following shall be substituted, namely —

"11 Hill Allowance The scales of hill allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as follows —

(i) Posted at places situated at a height of 1,500 metres and over above mean sea level	At the rate of 7 per cent of the basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month.
(ii) Posted at places situated at a height of 1,000 metres and over but less than 1,500 metres above mean sea level, at Mercara and at places which are specifically declared as 'Hill Stations' by Central/ State Governments for their employees	At the rate of 5 per cent of the basic pay, subject to a maximum of Rs 125 per month "

11 Rule 12 of the said Rules shall be omitted.

12 In rule 18 of the said Rules, in sub-rule (1), for the figures and words "8-1/3 per cent", the figures and words "10 per cent", shall be substituted on and from 1st day of April, 1989

13 In rule 19 of the said Rules for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely —

'(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) and (4)—

- (i) where the penalty of dismissal is imposed on an employee for any act involving violence against the management or other employees or any riotous or disorderly behaviour in or near the place of employment or for an offence involving moral turpitude provided that such offence is committed by him in the course of his employment, the gratuity payable to him shall stand wholly forfeited, and
- (ii) where the penalty of compulsory retirement, removal from service or dismissal is imposed on an employee for any act involving the Corporation in financial loss, the gratuity payable to him shall stand forfeited to the extent of such loss "

14. In the said Rules, after rule 19, the following rules shall be inserted, namely —

"19A Graduation Allowance —

- (1) An employee in the scale of pay of a Record Clerk, Assistant or Stenographer,—
 - (a) who is a graduate at the time of his appointment when such appointment was made after the 1st day of April, 1989, or

- (b) who becomes a graduate on or after the 1st day of April 1989, or
- (c) who was a graduate before the 1st day of April 1989 but was not given any graduation increments

shall be paid an amount of Rs. 80 per month, in case he is in the scale of pay of a Record Clerk and an amount of Rs. 130 per month, in case he is in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer on and from—

- (i) the date of appointment in case of employees covered under clause (a),
 - (ii) the first day of the month following the month in which the result of the examination is declared, in case of employees covered under clause (b),
 - (iii) the 1st day of April, 1989, in case of employees covered under clause (c).
- (2) An employee in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer who was in receipt of increments or having been a graduate immediately prior to the 1st day of April 1989, and who had received the last of the increments referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules, shall be paid such allowance at such rates and from such dates as is given below:—

Date from which Allowance is payable	Amount
(i) (a) On and from the 1st day of April 1989, or	Rs. 65 per month
(b) On and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of the last increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said Rules—	

whichever is later.

- (ii) (a) on and from the 1st day of the month following the completion of two years of service commencing from the date of the last increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said Rules, or

(b) on and from the 1st day of April 1990—

whichever is later.

- (3) The graduation allowance shall not be treated as part of basic pay :

Provided that 60 per cent of the said allowance of an employee in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer shall count for the purpose of Provident Fund, gratuity, house rent allowance and for refixation of salary on promotion.

19B. Personal Allowance : Personal allowance granted to an employee shall be adjusted against any increase in basic pay or upward revision of dearness allowance which the employee may be entitled to in terms of these rules.

[F. No. 2(6)/Ins. III/89]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st August, 1987. The rules are being amended accordingly with effect from 1st August, 1987.

2 It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : The principal rules were published under Notification No. GSR 357(E) dated 11-4-1985.

Subsequently amended by Notifications Nos GSR 18(E) dated 7-1-1986, GSR 1076(E) dated 11-9-1986, GSR 961(E) dated 7-12-1987 and GSRS 870(E) and 873(E) dated 22-8-1988.

भारतीय जीवन बीमा नियम वर्णन ३ चर्मचारी
(परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भना)
संशोधन नियम १९८७

मा नि ५१८(अ) -- चन्द्रीय सरवार जीवन बीमा नियम अस्थितियम १९५६ (१९५६ का ११) की धारा १४ प्रदत्त शक्तिया वा प्रयोग करने हुए भारतीय जीवन बीमा नियम वर्णन ३ चर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भना) विधम १९८६ का गणोधन करने के लिए नियमानिवित नियम बनाते हैं, अर्थात् --

। महिला नाम और प्राप्ति --- (1) इन नियमों का महिला नाम भारतीय जीवन बीमा नियम वर्णन ३ चर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भना) विधम १९८७ के

(2) ये । अगस्त, १९८७ से प्रवृत्त समझे जाएं।

2 भारतीय जीवन बीमा नियम वर्ग 3 कर्मचारी (प्रीति उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) नियम, 1988 ग्र.-

नियम 2 में भारतीय के स्थान पर निम्नलिखित भारतीय रद्दों जारी, प्रधानतः—

भारतीय

वृत्तिक/तकनीकी परीक्षा	विशेष भत्ता
(1)	(2)
(i) भारतीय बीमा संस्थान, मुम्बई की परीक्षाएँ :	
(क) लाइसेन्सिंग 40 रु. प्रतिमास	
(ख) असोशिएशनशिप 120 रु. प्रतिमास	
(ग) फेलोशिप 200 रु. प्रतिमास	
(ii) इंस्टीट्यूट ऑफ एक्युएशन, लंदन प्रथमेक विषय उत्तीर्ण करने पर की परीक्षाएँ :	40 रु प्रतिमास
(iii) भारतीय आर्टिस्ट एकाउन्टेंट संस्थान तथा भारतीय लागत और सेकर्स एकाउन्टेंट संस्थान की परीक्षाएँ :	
(क) हेटर्सीडिप्ट 90 रु. प्रतिमास	
(ख) फाइनल समूह 'क' या 'ख' 150 रु. प्रतिमास	
(ग) फाइनल समूह 'क' प्रारंभ 'ख' 200 रु. प्रतिमास	

[फा. न. 2 (6)/बीमा. III/89]

सार्विकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने कुछ विनियोग परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के लिए भारतीय जीवन बीमा नियम के कर्मचारियों को 1 अगस्त 1987 में संशोधित वर्गों पर भाना देने की मंजूरी दी है। नदनुमार नियमों का 1 अगस्त, 1987 में मंशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से जीवन बीमा नियम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की समावना नहीं है।

पात्र टिप्पणी : मृश नियम अधिसूचना मं. मा. का. नि 491(अ) भारतीय 22-4-1988 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III EMPLOYEES (SPECIAL ALLOWANCE FOR PASSING EXAMINATION) AMENDMENT RULES, 1989.

G.S.R. 516 (E) : —In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of

India Class III Employees (Special Allowance for Passing Examination) Amendment Rules, 1989.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1987.

2. In the Life Insurance Corporation of India class III employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988, —

In rule 2, for the Table the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Professional/Technical Examination	Special Allowance
(1)	(2)
(i) Examination of the Insurance Institute of India Bombay :	
(a) Licentiate	Rs. 40/- per month
(b) Associateship	Rs. 120/- per month
(c) Fellowship	Rs. 200/- per month
(ii) Examination of the Institute of Actuaries, London.	Rs. 40/- per month on passing each subject.
(iii) Examination of the Institute of Chartered Accountants of India and the Institute of Cost and Works Accountants of India :	
(a) Intermediate	Rs. 80/- per month
(b) Final Group 'A' or 'B'	Rs. 150/- per month
(c) Final Group 'A' and 'B'	Rs. 200/- per month

[F.No.2(6)/Ins.III/89]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the rates of Special Allowance for passing certain specified examination being paid to the employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st August, 1987. The rules are being amended accordingly with effect from 1st August, 1987.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : Principal rules were published under Notification No.G.S.R.491(E) dated 22-4-1988.

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी
(फिट भत्ता संवाद) संशोधन नियम, 1989

सा. का. नि. 517(थ) :— केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम
प्रशिक्षित नियम, 1956 (1956 का 31) की घासा 48 वारा प्रवत्त शक्तिया
का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4
कर्मचारी (फिट भत्ता संवाद) नियम, 1988 का संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित नियम दमाती है, अधिकृत—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (फिट भत्ता
संवाद) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) ये 1 अगस्त, 1987 से प्रवृत्त समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (फिट
भत्ता संवाद) नियम, 1988 में “400 रु.” इको और शब्दों के स्थान
पर “500 रु.” इक और सब्द रखे जाएंगे।

[का. सं. 2 (6) बीमा III/89]

एम. आर. रंगनाथन, अपर सचिव, (बीमा)

स्वाक्षरक ज्ञापन :

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को
1 अगस्त, 1987 से संशोधित दरों पर फिट भत्ता देने की संजूरी दी है
तदनुसार नियमों का 1 अगस्त, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रभागित किया जाता है कि इस प्रधिकूलना को मूलधनी
प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल
प्रभाव पहने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पणी . भूल नियमों प्रधिकूलना स. सा. का. नि. 490(ब)
तारीख 22-4-1988 वारा प्रकाशित किए गए थे।

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (PAYMENT OF KIT ALLOWANCE) AMENDMENT RULES, 1989.

G.S.R. 517(E).—In exercise of the powers conferred
by section 48 of the Life Insurance Corporation Act,

1956 (31 of 1956), the Central Government hereby
makes the following rules to amend the Life Insurance
Corporation of India Class III and Class IV Emplo-
yees (Payment of Kit Allowance) Rules, 1988,
namely :—

1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Life Insurance
Corporation of India Class III and Class IV Emplo-
yees (Payment of Kit Allowance) Amendment Rules,
1989.

(2) These rules shall be deemed to have come
into force on the 1st day of August, 1987.

2. In rule 2 of the Life Insurance Corporation of
India Class III and Class IV Employees (Payment
of Kit Allowance) Rules, 1988, for the words and
figures “Rs. 400”, the words and figures “Rs. 500”
shall be substituted.

[F. No. 2(6)Ins. III/89]

N.R. RANGANATHAN, Addl. Secy.
(Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval
to revise the rate of Kit Allowance being paid to the
employees of the Life Insurance Corporation of India
with effect from 1st August, 1987. The rules are being
amended, accordingly with effect from 1st August
1987.

2. It is certified that no employee of the Life
Insurance Corporation is likely to be affected adversely
by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : Principal rules were published vide
notification G.S.R. 490(E) dated
22-4-1988.

